पाठ 16 - अपना पराया

लेखक - हरसरन सिंह विश्नोई

त्वचा - खाल, शरीर की सबसे ऊपरी परत

मवाद - फोड़े से निकलने वाला स्त्राव

चिकित्सक - चिकित्सा करने वाला डॉक्टर

विचित्र - अनोखी

इत्र - खुशबूदार,द्रव, सेंट

स्वाभाविक -आदतन होने वाली

प्रतिरक्षात्मक - अपना बचाव करने वाली

प्रक्रियाएं - कार्य करने का प्रकार

हानिकारक - नुकसान पहुँचाने वाले

चेष्टा - प्रयास, कोशिश

कष्ट - तकलीफ

द्वारपाल - वह व्यक्ति जो दरवाजे पर रहकर आने जाने वालों पर निगाह रखें, पहरेदार; गेटकीपर

दु:स्वाद - बुरे स्वाद वाले

ग्रास - कौर

प्रतिक्रिया - किसी कार्य के जवाब में हुआ कार्य

सुरक्षात्मक - बचाव करने वाली

अवशोषित होना - घुल मिल जाना, सोख लिया जाना

अवांछित - अनचाही

प्रविष्ट - घुसना

असंख्य - अनगिनत

रोगाणु - रोग के अणु, सूक्ष्म जीवाणु जो बीमारी का कारण होते हैं

आश्रय - रहने/ठहरने की जगह

उत्तक - एक जैसा काम करने वाली कोशिकाओं के समूह से बने पिंड, टिश्यू

प्रजनन - संतान की उत्पत्ति; अपने जैसे जीवों को पैदा करना

देह - शरीर

दुर्ग - किला

घात लगाना - हमला करने के लिए तैयार होना

श्लेष्मा - चिपचिपा, लसदार पदार्थ जो नाक से बहकर निकलता है

वायु नली - साँस की नली

बलगम - कफ

आहार नली - भोजन को आमाशय में पहुँचाने वाली नली

विषाणु - वायरस रोग के विषैले अणु

सक्रिय - क्रियाशील, काम में लगे होना

संक्रमण - एक से दूसरे तक पहुँचना, रोगाणुओं का शरीर में पहुँचना, इन्फेक्शन

स्थानीय - स्थान विशेष तक सीमित

निष्क्रिय - काम नहीं करने वाला, क्रियाशील न होना ।

श्वेत कणिकाएं - खून में मौजूद रोग से लड़ने वाले सफेद कण

सुराग पाकर - पता लगते ही, पता पाकर

धावा बोलना - टूट पड़ना; हमला करना

आक्रमणकारी - हमला करने वाली

हताहत - मरे हुए और घायल

मलबा - टूटी-फूटी चीजों का ढेर

उत्तक तरल - उत्तक के भीतर रहने वाला वाला द्रव पदार्थ (तरल पदार्थ)

मोर्चा - किसी उद्देश्य या लक्ष्य के लिए एकजुटता

टॉन्सिल - गले की एक ग्रंथि

भक्षक कोशिकाएं - रोगाणुओं को खा जाने वाली कोशिकाएं

कांख - बगल

जीवाणु - आँखों से न दिखने वाले सूक्ष्म सजीव अणु

टॉक्सिन - विषैले पदार्थ

प्रतिपिंड - विशेष रोगों से लड़ने के लिए शरीर के भीतर बनने वाले पिंड

लसिका ग्रंथि - प्रतिपिंड बनाने वाली कोशिकाओं की ग्रंथि

इनफ्लुएंजा - फ्लू; विषाणु द्वारा फैलने वाला बुखार

चेचक - एक बीमारी, जिसमें शरीर पर फफोले से उठते हैं

तत्काल - तुरंत; फौरन; उसी समय

स्मरण - शक्ति - याद रखने की क्षमता

टीका - किसी विशेष बीमारी से बचाव के लिए शरीर के भीतर पहुँचाए जाने वाला पदार्थ; वैक्सीन

पोलियो - एक बीमारी जिसमें प्राय: हाथ या पैरों में लकवा मार जाता है

टिटनेस - एक प्राणलेवा बीमारी जिसमें, शरीर का तंत्रिका तंत्र बेकार हो जाता है

डिप्थीरिया - एक घातक बीमारी जिसमें गला जकड़ जाता है और सांस रुकने लगती है

हैजा - उल्टी दस्त की बीमारी

टाइफाइड - मियादी बुखार

क्षय रोग - यक्ष्मा टीवी

प्रविष्ट कराना - अंदर घुसाना या पहुँचाना

तदुपरांत - उसके बाद एलर्जी किसी पदार्थ का शरीर के माफिक अनुकूल न होना

प्रोटीन - भोजन का एक आवश्यक और मूलभूत तत्व

निराकरण - दूर करना

पित्ती - शरीर पर लाल रंग के ददोरे चकत्ते पड़ना

दमा - सांस की बीमारी

शरीर द्रोही - शरीर की प्रति विद्रोह करने वाली शरीर को नुकसान पहुंचाने वाली

बागी - विद्रोही

कैंसर - शरीर के कोशिकाओं की असंतुलित वृद्धि से उत्पन्न लाइलाज बीमारी

विस्मयकारी - आश्चर्यजनक